

अनौपचारिक क्षेत्र को औपचारिक करना

यह एडिटरियल 11/11/2022 को 'फाइनेंशियल एक्सप्रेस' में प्रकाशित "A cover for the informal sector" लेख पर आधारित है। इसमें भारत के अनौपचारिक क्षेत्र और उससे संबंधित मुद्दों के बारे में चर्चा की गई है।

संदर्भ

अनौपचारिक क्षेत्र (Informal Sector) का प्रभुत्व भारत में श्रम बाजार परदृश्य की केंद्रीय विशेषताओं में से एक बन गया है। जबकि अनौपचारिक क्षेत्र देश के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग आधे भाग का योगदान करता है, रोजगार के मोर्चे पर इसका प्रभुत्व ऐसा है कि कुल कार्यबल का 90% से अधिक भाग अनौपचारिक अर्थव्यवस्था से संलग्न है।

- सरकार ने अर्थव्यवस्था को औपचारिक रूप देने के कई प्रयास किये हैं। [वस्तु एवं सेवा कर \(GST\)](#) का आरंभ, डिजिटल भुगतान प्रणाली और [ई-श्रम \(e-Shram\)](#) जैसे विभिन्न सरकारी पोर्टलों पर अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों का नामांकन—ये सभी अर्थव्यवस्था के औपचारिकरण को प्रोत्साहित करने के लिये हैं।
- उपर्युक्त सभी प्रयास औपचारिकरण के 'राजकोषीय परिप्रेक्ष्य' (fiscal perspective) पर आधारित हैं। इसके बावजूद, औपचारिक क्षेत्र अनौपचारिक क्षेत्र की तुलना में अधिक उत्पादक है और औपचारिक क्षेत्र के कामगारों की सामाजिक सुरक्षा लाभों तक पहुँच है। इस प्रकार, भारतीय अनौपचारिक कार्यबल को औपचारिक बनाने के बहुआयामी पहलुओं पर विचार करना आवश्यक है।

औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्र के बीच क्या अंतर है?

- औपचारिक क्षेत्र (Formal Sector):** औपचारिक क्षेत्र में नियोक्ता और न्युक्त यानी कर्मचारी के बीच एक औपचारिक अनुबंध होता है जहाँ पूर्व-निरधारित कार्य शर्तें होती हैं। इस क्षेत्र में एक ही वातावरण में काम करने वाले लोगों का संगठित समूह शामिल होता है और वे कानूनी एवं सामाजिक रूप से अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होते हैं।
- अनौपचारिक क्षेत्र (Informal Sector):** अनौपचारिक क्षेत्र में व्यक्तियों या परिवारों के स्वामित्व में संचालित सभी अनगिनत निजी उद्यम शामिल होते हैं, जो स्वामित्व या साझेदारी के आधार पर वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री से संलग्न होते हैं।

अनौपचारिक क्षेत्र से संबंधित हाल की प्रमुख सरकारी पहलें

- ई-श्रम पोर्टल
- श्रम संहिता
- [प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन](#)
- [पीएम स्वन्धि: स्ट्रीट वेंडर्स के लिये सूक्ष्म ऋण योजना](#)
- [प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि](#)
- भारत के अनौपचारिक कामगार वर्ग को विश्व बैंक का समर्थन

श्रम पोर्टल के अनुसार अनौपचारिक कामगारों का वर्तमान परदृश्य

- सामाजिक एवं आर्थिक विश्लेषण:** श्रम पोर्टल पर पंजीकृत 27.69 करोड़ अनौपचारिक क्षेत्र के कामगारों में से 94% से अधिक की मासिक आय 10,000 रुपये या उससे कम है।
 - यहाँ नामांकित कार्यबल का 74% से अधिक अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और अन्य पछिड़ा वर्ग (OBC) से संबंधित है।
- आयु-वार विश्लेषण:** पोर्टल पर पंजीकृत 61.72 प्रतिशत कामगार 18-40 आयु वर्ग के हैं, जबकि 22.12 प्रतिशत 40-50 आयु वर्ग के हैं।
- लिंग-वार विश्लेषण:** पंजीकृत कामगारों में 52.81% महिलाएँ हैं और 47.19% पुरुष हैं।
- व्यवसाय-वार विश्लेषण:** कृषि क्षेत्र शीर्ष पर है जहाँ नामांकित 52.11% कामगार कृषि क्षेत्र से संलग्न हैं; इसके बाद घरेलू एवं पारिवारिक

Q.1 केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (वर्ष 2009)

1. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की।
2. कपड़ा मंत्रालय ने राजीव गांधी शिल्पी स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2
- (C) 1 और 2 दोनों
- (D) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (B)

Q.2 उस योजना का क्या नाम है जो महिलाओं को पारंपरिक और गैर-पारंपरिक व्यवसायों में प्रशिक्षण और कौशल प्रदान करती है? (वर्ष 2008)

- (A) कशीरी शक्ति योजना
- (B) राष्ट्रीय महिला कोष
- (C) स्वयंसिद्धि
- (D) स्वावलम्बन

उत्तर: (D)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/formalizing-the-informal-sector>

